गैर-बासमती चावल के बाद शुगर एक्सपोर्ट को भी चीन ने दी मंजूरी

एक दशक के बाद फिर से चीन को चीनी निर्यात कर सकता है भारत

[कीर्तिका सुनेजा & माधवी सैली | नई दिल्ली]

करीब एक दशक के बाद भारत फिर से चीन को शुगर एक्सपोर्ट कर सकता है। कन्साइनमेंट को लेकर चीन की हरी झंडी मिलने और फॉर्मल नोटिफिकेशन के बाद इंडिया 10-15 लाख टन रॉ शुगर का एक्सपोर्ट करेगा। शुगर के एक्सपोर्ट पर चीन में 50 पर्सेंट ड्यूटी लगती है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि इसके बाद भी भारतीय चीनी वहां के लिए सस्ती ही रहेगी क्योंकि वहां इसकी कीमतें काफी अधिक हैं। गैर-बासमती चावल के बाद रॉ शुगर भारत का ऐसा दूसरा प्रॉडक्ट है जिसे चीन ने इंपोर्ट करने का फैसला किया है। यह भारत के साथ 60 अरब डॉलर के व्यापार घाटे को कम करने के मकसद से किया गया है।

भारत ने फाइनेंशियल ईयर 2017-18 में चीन को 13.3 अरब डॉलर का निर्यात और वहां से 76.2 अरब डॉलर का आयात किया। चीन ने कई मौकों पर इस व्यापार घाटे का जिक्र करते हुए इसे कम करने का भरोसा दिया था। ट्रेड मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने कहा, 'हम शुगर मार्केट में पहुंच बढ़ाने में जुटे हैं।' देश की शुगर इंडस्ट्री को शुगर इंपोर्ट पर चीन की नई पॉलिसी का बेसब्री से इंतजार है क्योंकि पिछले साल वहां इस पर भारी इंपोर्ट ड्यूटी लगा दी गई थी।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल अविनाश वर्मा ने बताया, 'इस महीने हमें यह होने की उम्मीद है।' उन्होंने कहा कि अपनी घरेलू डिमांड को पूरा करने के लिए चीन सालाना 15-20 लाख टन शुगर का इंपोर्ट करता है। उन्होंने बताया कि मिलें केवल रॉ शुगर एक्सपोर्ट करेंगी और पहला शिपमेंट अक्टूबर के मध्य में भेजा जा सकता है। इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि चीन शुगर का बहुत ज्यादा इंपोर्ट करता है।

शुगर ट्रेडिंग करने वाली एक ग्लोबल कंपनी के अधिकारी ने बताया, 'भारत समेत कुछ डिवेलपिंग देशों से इंपोर्ट को सेफगार्ड टैरिफ से अलग रखा गया है। इंडियन एक्सपोर्टर्स को केवल 50 पर्सेंट एक्सपोर्ट ड्यूटी का भुगतान करना पड़ेगा। हालांकि इसके बावजूद भारतीय चीनी वहां सस्ती ही पड़ेगी क्योंकि चीन में इसकी कीमत 90-100 रुपये प्रति किलो है जबकि भारत में 29-35 रुपये किलो।'

उन्होंने कहा कि चीन को रॉ शुगर एक्सपोर्ट करने में महाराष्ट्र की मिलों को वरीयता दी जाएगी। इसके साथ ही अन्य राज्यों की शुगर मिलों का भी ध्यान रखा जाएगा। शुगर एक्सपोर्ट में भारत को ब्राजील और थाईलैंड से कंपीट करना होगा क्योंकि इन दोनों देशों में इसकी उत्पादन लागत काफी कम है।

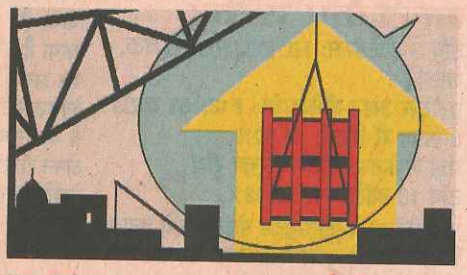

15 लाख टन का एक्सपोर्ट

- **इंडिया** 10-15 लाख टन रॉ शुगर का एक्सपोर्ट करेगा, पहली खेप अक्टूबर के मध्य में जा सकती है
- **शुगर पर** चीन में 50% इंपोर्ट ड्यूटी लगती है, फिर भी भारतीय चीनी वहां सस्ती ही रहेगी क्योंकि वहां इसकी कीमतें काफी अधिक है
- **चीन को** रॉ शुगर एक्सपोर्ट करने में महाराष्ट्र की मिलों को वरीयता दी जा सकती है

ET
26/6/18